कप्तान प्रवीण कुमार सिंह

उप संरक्षक

कप्तान प्रवीण कुमार सिंह 12 दिसंबर 2024 को मुंबई पत्तन प्राधिकरण के उप संरक्षक पद पर नियुक्त हुए। वर्ष 1996 में आरम्भ हुए अपने 14 वर्षों के विशिष्ट करियर के दौरान, उन्होंने विभिन्न जलयानों पर कई पदों पर अपनी सेवाएं दी और अंततः मास्टर के पद पर आसीन हुए।

अक्टूबर 2009 में, कप्तान सिंह ने मुरगांव पत्तन प्राधिकरण में पायलट के पद पर कार्यभार संभाला, जहां उन्होंने कई अभिनव संचलन किए और आपातकालीन टोइंग जलयान (ईटीवी) के विफल होने पर एक फंसे हुए जहाज को सफलतापूर्वक बचाया।

दिसंबर 2014 में उन्होंने नव मंगलूर पत्तन प्राधिकरण में डॉक मास्टर का कार्यभार संभाला और फरवरी 2017 में उन्हें हार्बर मास्टर के पद पर पदोन्नत किया गया। अपने कार्यकाल के दौरान उन्होंने कई अभूतपूर्व पहल कीं, जिनमें तेल अपशिस्ट प्रबंधन की एक नई अवधारणा भी शामिल है, जिससे पत्तन के राजस्व में 10 गुना से अधिक की उल्लेखनीय वृद्धि हुई। डॉक मास्टर के रूप में, उन्होंने एक तेल रिसाव आकस्मिकता योजना (ओ.एस सी.पी) तैयार की, जो महा पत्तनों में भारतीय तटरक्षक बल द्वारा अनुमोदित एकमात्र ओ.एस.सी.पी थी।

जुलाई 2019 में, कप्तान सिंह ने वी.ओ.सी पत्तन प्राधिकरण में उप संरक्षक का पदभार संभाला। उन्होंने पांच सप्ताह के अंदर जलयान यातायात सेवा (वी.टी.एस) संचलन को पुनः आरम्भ किया और उसके पश्चात आत्मनिर्भर भारत पहल के तहत, मेसर्स एन.टी.सी. पी.डब्ल्यू.सी के सहयोग से भारत की पहली स्वदेशी निर्मित वीटीएस आरम्भ की। उन्होंने सचिव (सां) के रूप में ई-ऑफिस लागू करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इसके अतिरिक्त उन्होंने वर्चुअल बोया की शुरुआत की और "सागर दृष्टि" और "पायलट ई-कार्ड" मोबाइल एप्लीकेशन लॉन्च किए।

शैक्षणिक दृष्टि से कप्तान सिंह के पास पत्तन प्रबंधन में डिप्लोमा और पोर्ट एवं शिपिंग में एमबीए की डिग्री है। निरंतर सीखने के प्रति उनकी प्रतिबद्धता iGot कर्मयोगी पोर्टल पर 150 से अधिक पाठ्यक्रमों को सफलतापूर्वक पूर्ण करने से स्पष्ट होती है।